मेरा आधार, मेरी पहचान

Media Coverage-1

UIDAI Launches Bug Bounty Programme to Further Strengthen Aadhaar Security

अमर उजाला

आधार की सुरक्षा होगी और मजबूत 20 एथिकल हैकरों का पैनल तैयार

खामी ढूंढने वाले विशेषज्ञों को मिलेगा इनाम

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार प्रणाली की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए अपना पहला संरचित बग बाउंटी कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ यूआईडीएआई के कुछ प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म में संभावित कमजोरियों की तलाश कर सकते हैं। उन्हें वास्तविक सुरक्षा कमी मिलती है और वे जिम्मेदारी से इसकी रिपोर्ट करते हैं तो उन्हें समस्या की गंभीरता के आधार पर पुरस्कार मिलेंगे।

इस पहल में भाग लेने के लिए 20 अनुभवी सुरक्षा शोधकर्ताओं और एथिकल हैकरों का एक पैनल तैयार किया गया है। वे यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट, माई आधार पोर्टल और सुरक्षित क्यूआर कोड एप्लिकेशन जैसी यूआईडीएआई की डिजिटल संपत्तियों की जांच करेंगे। ब्यूरो

साझेदारी में चला रहा कार्यक्रम

शोधकर्ता इन प्रणालियों में गंभीर, उच्च, मध्यम और निम्न जोखिम श्रेणियों में आने वाली कमजोरियों की जांच करेंगे। खोजी गई समस्या की गंभीरता के आधार पर उन्हें उचित पुरस्कार मिलेंगे। यूआईडीएआई, साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी एम/ एस कॉमोल्हो आईटी प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में यह कार्यक्रम चला रहा है।

(Delhi Edition)

पंजाब केसरी

आधार की सुरक्षा होगी मजबूत बग बाउंटी कार्यक्रम हुआ शुरू

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार प्रणाली की सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने के लिए अपना पहला संरचित बग बाउंटी कार्यक्रम शुरू किया है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ यूआईडीएआई के कुछ प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म में संभावित कमजोरियों की तलाश कर सकते हैं। यदि उन्हें कोई वास्तविक सुरक्षा कमी मिलती है और वे जिम्मेदारी से इसकी रिपोर्ट करते हैं, तो उन्हें समस्या की गंभीरता के आधार पर पुरस्कार मिलेंगे।

इस पहल में भाग लेने के लिए 20 अनुभवी सुरक्षा शोधकर्ताओं और एथिकल हैकर्स का एक पैनल तैयार किया गया है। वे यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट, माई आधार पोर्टल और सुरक्षित क्यूआर कोड एप्लिकेशन जैसी यूआईडीएआई की डिजिटल संपत्तियों की जांच करेंगे। शोधकर्ता इन प्रणालियों में गंभीर, उच्च, मध्यम और निम्न जोखिम श्रेणियों में आने वाली कमजोरियों की जांच करेंगे। खोजी गई समस्या की गंभीरता के आधार पर, उन्हें उचित पुरस्कार

मिलेंगे। यूआईडीएआई, साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी एम/एस कॉमोल्हो आईटी प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड के साथ साझेदारी में यह कार्यक्रम चला रहा है।

यूआईडीएआई का मानना है कि आज के डिजिटल जगत में सूचना सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और यूआईडीएआई जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी डिजिटल संपत्तियों को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्राधिकरण पहले से ही कई स्तरों की सुरक्षा का उपयोग करता है, जिनमें नियमित सुरक्षा ऑडिट, भेद्यता मूल्यांकन, भेदन परीक्षण और निरंतर निगरानी शामिल हैं। नया बग बाउंटी कार्यक्रम किसी भी छिपे हुए जोखिम की पहचान करने में सहायता के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों को आमंत्रित करके सुरक्षा का एक और स्तर जोड़ता है।

NDTV

अगर आप खोज लें Aadhaar प्लेटफॉर्म की सुरक्षा में खामी तो UIDAI देगा इनाम! जानिए कौन ले सकता है हिस्सा

Bug Bounty Programme के तहत चुने गए सुरक्षा विशेषज्ञ UIDAI के कई डिजिटल प्लेटफॉर्म की जांच करेंगे. इनमें आधिकारिक वेबसाइट, myAadhaar Portal और Secure QR Code एप्लिकेशन शामिल हैं.

UIDAI ने Aadhaar से जुड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक नया आधार बग बाउंटी प्रोग्राम (Aadhaar Bug Bounty Programme) शुरू किया है. इस पहल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट्स और एथिकल हैकर्स की मदद से इस प्लेटफॉर्म की कमजोरियों को ढूंढना है. इस प्रोग्राम के तहत चुने गए विशेषज्ञ UIDAI के अलग-अलग डिजिटल सिस्टम की जांच करेंगे और अगर उन्हें कोई सुरक्षा खामी मिलती है तो उसे जिम्मेदारी के साथ रिपोर्ट करेंगे. इतना ही नहीं खामी निकालने और उसे सही करने वाले को इनाम भी दिया जाएगा.

यूआईडीएआई ने आधार सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए बग बाउंटी कार्यक्रम शुरू किया

इस पहल में भाग लेने के लिए 20 अनुभवी सुरक्षा शोधकर्ताओं और एथिकल हैकर्स का चयन किया गया

राष्ट्रीय सुदर्शन

लखनऊ, ११ मार्च २०२६रू भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार प्रणाली की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए अपना पहला संरचित बग बाउंटी कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ यूआईडीएआई के कुछ प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म में संभावित कमजोरियों की तलाश कर सकते हैं। यदि उन्हें कोई वास्तविक सुरक्षा कमी मिलती है और वे जिम्मेदारी से इसकी रिपोर्ट करते हैं, तो उन्हें समस्या की गंभीरता के आधार पर पुरस्कार मिलेंगे। इस पहल में भाग लेने के लिए 20 अनुभवी सुरक्षा शोधकर्ताओं और एथिकल हैकर्स का एक पैनल तैयार किया गया है। वे यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट, माई आधार पोर्टल और सुरक्षित क्यूआर कोड एप्लिकेशन जैसी यूआईडीएआई की डिजिटल संपत्तियों की जांच करेंगे। शोधकर्ता इन प्रणालियों में गंभीर, उच्च, मध्यम और निम्न जोखिम श्रेणियों में आने वाली कमजोरियों की जांच करेंगे। खोजी गई समस्या की गंभीरता के आधार पर, उन्हें उचित पुरस्कार मिलेंगे। यूआईडीएआई, साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी एम/एस कॉमोल्हो आईटी प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में यह कार्यक्रम चला रहा है। यूआईडीएआई का मानना घ्है कि आज के डिजिटल जगत में सूचना सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और यूआईडीएआई जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी डिजिटल संपत्तियों को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्राधिकरण पहले से ही कई स्तरों की सुरक्षा का उपयोग करता है, जिनमें नियमित सुरक्षा ऑडिट, भेद्यता मूल्यांकन, भेदन परीक्षण और निरंतर निगरानी शामिल हैं। नया बग बाउंटी कार्यक्रम किसी भी छिपे हुए जोखिम की पहचान करने में सहायता के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों को आमंत्रित करके सुरक्षा का एक और स्तर जोड़ता है। यह नई पहल इस बात का एक और उदाहरण है कि यूआईडीएआई अपने प्लेटफार्मों को निवासियों और हितधारकों के लिए सुरक्षित बनाए रखने और उन्हें और मजबूत करने के लिए किस प्रकार निरंतर प्रयासरत है। इस तरह के कार्यक्रम दुनिया भर में प्रमुख प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों द्वारा डिजिटल प्रणालियों को अधिक सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार बनाने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

जनसंदेश टाइम्स

यूआईडीएआई ने आधार सुरक्षा को मजबूत करने के लिए शुरू किया बग बाउंटी कार्यक्रम

लखनऊ(जनसंदेश टाइम्स)। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार प्रणाली की डिजिटल सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से अपना पहला संरचित बग बाउंटी कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल का मकसद आधार से जुड़े डिजिटल प्लेटफार्मों में मौजूद संभावित सुरक्षा कमजोरियों की पहचान कर उन्हें समय रहते दूर करना है। इस कार्यक्रम के तहत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एथिकल हैकर्स यूआईडीएआई के प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म में संभावित खामियों की खोज कर सकेंगे। यदि किसी विशेषज्ञ को कोई वास्तविक सुरक्षा कमजोरी मिलती है और वह उसे जिम्मेदारीपूर्वक यूआईडीएआई को रिपोर्ट करता है, तो समस्या की गंभीरता के आधार पर उसे उचित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यूआईडीएआई ने इस पहल के लिए 20 अनुभवी सुरक्षा शोधकताओं और एथिकल हैकर्स का एक विशेष पैनल तैयार किया है। यह विशेषज्ञ पैनल यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट, ह्ममाई आधारह्न पोर्टल और सुरक्षित क्यूआर कोड एप्लिकेशन जैसी प्रमुख डिजिटल संपत्तियों की जांच करेगा। इन प्रणालियों में मौजूद संभावित कमजोरियों को गंभीर, उच्च, मध्यम और निम्न जोखिम श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लागू करने के लिए यूआईडीएआई ने साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी कॉमओल्हो आईटी प्रा.लि. के साथ साझेदारी की है। यह कंपनी तकनीकी सहायता और समन्वय के माध्यम से कार्यक्रम के संचालन में सहयोग कर रही है। यूआईडीएआई का मानना है कि तेजी से बढ़ते डिजिटल युग में सूचना सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। प्राधिकरण पहले से ही अपने प्लेटफार्मों की सुरक्षा के लिए नियमित सुरक्षा ऑडिट, भेद्यता मूल्यांकन, भेदन परीक्षण और निरंतर निगरानी जैसी कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था लागू किए हुए है। नया बग बाउंटी कार्यक्रम स्वतंत्र विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सुरक्षा का एक अतिरिक्त स्तर जोड़ता है। इससे संभावित छिपे हुए जोखिमों की पहचान करने में मदद मिलेगी और आधार से जुड़ी सेवाओं को और अधिक सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

The list is not exhaustive.

12/03/2026

Media Coverage-2

UIDAI Launches Bug Bounty Programme to Further Strengthen Aadhaar Security

Morning India

UIDAI launches bug bounty programme to strengthen Aadhaar security

NEW DELHI : The Unique Identification Authority of India on Wednesday launched structured Bug Bounty Programme to further strengthen the security of the Aadhaar system, inviting independent cybersecurity experts to identify vulnerabilities in digital platforms.

A panel of 20 experienced security researchers and ethical hackers has been selected to look for possible weaknesses in some of UIDAI's key digital platforms, an official statement said.

They will examine UIDAI digital assets such as UIDAI official website, myAadhaar portal and the Secure QR Code application.

Researchers will check these systems for vulnerabilities classified as Critical, High, Medium and Low risk and will receive rewards in line with the severity of issues they find, the statement from Ministry of Electronics & IT said.

The ministry said the programme is being run in partnership with M/s ComOlho IT Private Limited, a cybersecurity solution provider.

The new Bug Bounty Programme is another example of how UIDAI continuously strives to further strengthen and ensure that its platforms remain secure for residents and stakeholders, the statement noted.

Such programmes are widely used around the world by major technology platforms to make digital systems safer and more future ready.

UIDAI believes information security is critical in today's digital world, and UIDAI is continuously engaged in improving its digital assets keeping people's interest in mind, it added.

The authority already uses several layers of protection, including regular security audits, vulnerability assessments, penetration testing, and continuous monitoring.

UIDAI recently announced covering over 1.03 lakh schools nationwide to facilitate mandatory biometric updates (MBU) for students under Aadhaar. The initiative has enabled nearly 1.2 crore children to complete their biometric updates within their school premises.

The mission-mode drive began in September 2025 following integration with the Unified District Information System for Education Plus (UDISE+) platform of the Department of School Education & Literacy.

news nine

Aadhaar Bug Bounty Programme to find security flaws in digital platforms

New Delhi: The Unique Identification Authority of India (UIDAI) has come up with a new programme that invites ethical hacker and cybersecurity experts to find security flaws in systems linked to Aadhaar. The initiative, called the Aadhaar Bug Bounty Programme, is meant to improve the security of platforms that handle Aadhaar-related services.

With this idea the UIDAI wants experienced security researchers to test certain digital platforms run by UIDAI and report any weaknesses they find. If a genuine vulnerability is discovered and reported responsibly, the researcher may receive a reward depending on how serious the issue is.

एक्सप्रेस खबर

आधार सिस्टम की सुरक्षा बढ़ाने के लिए UIDAI ने शुरू किया बग बाउंटी प्रोग्राम

खबरी प्रशाद, नई दिल्ली। Unique Identification Authority of India (UIDAI) ने आधार सिस्टम की साइबर सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से अपना पहला संरचित बग बाउंटी प्रोग्राम शुरू किया है। इस पहल के तहत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों को यूआईडीएआई के कुछ प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म में संभावित तकनीकी कमजोरियों की पहचान करने का अवसर दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 20 अनुभवी सुरक्षा शोधकर्ताओं और एथिकल हैकर्स का चयन किया गया है। ये विशेषज्ञ यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट, मायआधार पोर्टल और सिक्योर क्यूआर कोड एप्लिकेशन सहित कई डिजिटल एसेट्स की जांच करेंगे। सिस्टम में मिलने वाली कमजोरियों को क्रिटिकल, हाई, मीडियम और लो रिस्क श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा और समस्या की गंभीरता के आधार पर शोधकर्ताओं को पुरस्कार दिया जाएगा।

THE AVENUE MAIL

UIDAI launches bug bounty programme to strengthen Aadhaar security

New Delhi, March 11 (IANS) The Unique Identification Authority of India on Wednesday launched structured Bug Bounty Programme to further strengthen the security of the Aadhaar system, inviting independent cybersecurity experts to identify vulnerabilities in digital platforms.

A panel of 20 experienced security researchers and ethical hackers has been selected

to look for possible weaknesses in some of UIDAI's key digital platforms, an official statement said.

They will examine UIDAI digital assets such as UIDAI official website, myAadhaar portal and the Secure QR Code application.

Researchers will check these systems for vulnerabilities classified as Critical, High, Medium and Low risk and will receive rewards in line with the severity of issues they find, the statement from Ministry of Electronics & IT said.

The ministry said the programme is being run in partnership with M/s ComOlho IT Private Limited, a cybersecurity solution provider.

The new Bug Bounty Programme is another example of how UIDAI continuously strives to further strengthen and ensure that its platforms remain secure for residents and stakeholders, the statement noted.

Such programmes are widely used around the world by major technology platforms to make digital systems safer and more future ready.

UIDAI believes information security is critical in today's digital world, and UIDAI is continuously engaged in improving its digital assets keeping people's interest in mind, it added.

The authority already uses several layers of protection, including regular security audits, vulnerability assessments, penetration testing, and continuous monitoring.

The list is not exhaustive.

12/03/2026

Media Coverage-3

UIDAI Launches Bug Bounty Programme to Further Strengthen Aadhaar Security

दैनिक रणघोष

यूआईडीएआई ने आधार सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए बग बाउंटी प्रोग्राम लॉन्च किया

रणघोष अपडेट. नई दिल्ली

यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने आधार सिस्टम की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए अपना पहला संरचित बग बाउंटी प्रोग्राम लॉन्च किया है।यह प्रोग्राम साइबरसिक्योरिटी विशेषज्ञों को यूआईडीएआई के कुछ प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में संभावित कमजोरियों की तलाश करने की अनुमति देता है। यदि वे वास्तविक सुरक्षा अंतर पाते हैं और उन्हें जिम्मेदारी से रिपोर्ट करते हैं, तो उन्हें समस्या की गंभीरता के आधार पर पुरस्कार प्राप्त होंगे।20 अनुभवी सुरक्षा शोधकर्ताओं और एथिकल हैकर्स का एक पैनल इस पहल में भाग लेने के लिए चुना गया है। वे यूआईडीएआई डिजिटल एसेट्स जैसे यूआईडीएआई आधिकारिक वेबसाइट, मायआधार पोर्टल और सिक्योर क्यूआर कोड एप्लिकेशन की जांच करेंगे।शोधकर्ता इन सिस्टम्स में क्रिटिकल, हाई, मीडियम, और लो रिस्क श्रेणियों में आने वाली कमजोरियों की जांच करेंगे। खोजी समस्या की गंभीरता के आधार पर, उन्हें उचित पुरस्कार प्राप्त होंगे।यूआईडीएआई इस प्रोग्राम को साइबरसिक्योरिटी सॉल्यूशन प्रदाता एम/एस कोमओल्हो आईटी प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में चला रहा है।यूआईडीएआई का मानना है कि आज के डिजिटल विश्व में सूचना सुरक्षा महत्वपूर्ण है, और यूआईडीएआई लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए अपनी डिजिटल एसेट्स को सुधारने में लगातार लगा हुआ है।प्राधिकरण पहले से ही कई सुरक्षा परतों का उपयोग करता है, जिनमें नियमित सुरक्षा ऑडिट, वल्नरेबिलिटी असेसमेंट, पेनेट्रेशन टेस्टिंग, और निरंतर मॉनिटरिंग शामिल हैं।नया बग बाउंटी प्रोग्राम स्वतंत्र विशेषज्ञों को आमंत्रित करके किसी भी छिपे जोखिमों की पहचान करने में मदद करने के द्वारा एक और सुरक्षा परत जोड़ता है। यह नई पहल यूआईडीएआई की उस निरंतर कोशिश का एक और उदाहरण है जिससे वह अपनी प्लेटफॉर्म्स को निवासियों और हितधारकों के लिए सुरक्षित रखने के लिए और मजबूत करने का प्रयास करता है।ऐसे प्रोग्राम दुनिया भर में प्रमुख टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म्स द्वारा डिजिटल सिस्टम्स को अधिक सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार बनाने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

यूआईडीएआई ने आधार सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए बग बाउंटी प्रोग्राम लॉन्च किया

नई दिल्ली

यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने आधार सिस्टम की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए अपना पहला संरचित बग बाउंटी प्रोग्राम लॉन्च किया है।

यह प्रोग्राम साइबरसिक्योरिटी विशेषज्ञों को यूआईडीएआई के कुछ प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में संभावित कमजोरियों की तलाश करने की अनुमति देता है। यदि वे वास्तविक सुरक्षा अंतर पाते हैं और उन्हें जिम्मेदारी से रिपोर्ट करते हैं, तो उन्हें समस्या की गंभीरता के आधार पर पुरस्कार प्राप्त होंगे।

20 अनुभवी सुरक्षा शोधकर्ताओं और एथिकल हैकर्स का एक पैनल इस पहल में भाग लेने के लिए चुना गया है। वे यूआईडीएआई डिजिटल एसेट्स जैसे यूआईडीएआई आधिकारिक वेबसाइट, मायआधार पोर्टल और सिक्योर क्यूआर कोड एप्लिकेशन की जांच करेंगे।

शोधकर्ता इन सिस्टम्स में क्रिटिकल, हाई, मीडियम, और लो रिस्क श्रेणियों में आने वाली कमजोरियों की जांच करेंगे। खोजी समस्या की गंभीरता के आधार पर, उन्हें उचित पुरस्कार प्राप्त होंगे।

यूआईडीएआई इस प्रोग्राम को साइबरसिक्योरिटी सॉल्यूशन प्रदाता एम/एस कोमओल्हो आईटी प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में चला रहा है। यूआईडीएआई का मानना है कि आज के डिजिटल विश्व में सूचना सुरक्षा महत्वपूर्ण है, और यूआईडीएआई लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए अपनी डिजिटल एसेट्स को सुधारने में लगातार लगा हुआ है।

प्राधिकरण पहले से ही कई सुरक्षा परतों का उपयोग करता है, जिनमें नियमित सुरक्षा ऑडिट, वल्नरेबिलिटी असेसमेंट, पेनेट्रेशन टेस्टिंग, और निरंतर मॉनिटरिंग शामिल हैं।

नया बग बाउंटी प्रोग्राम स्वतंत्र विशेषज्ञों को आमंत्रित करके किसी भी छिपे जोखिमों की पहचान करने में मदद करने के द्वारा एक और सुरक्षा परत जोड़ता है।

यह नई पहल यूआईडीएआई की उस निरंतर कोशिश का एक और उदाहरण है जिससे वह अपनी प्लेटफॉर्म्स को निवासियों और हितधारकों के लिए सुरक्षित रखने के लिए और मजबूत करने का प्रयास करता है।

ऐसे प्रोग्राम दुनिया भर में प्रमुख टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म्स द्वारा डिजिटल सिस्टम्स को अधिक सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार बनाने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

ROZANA SANDESH

ਯੂਆਈਡੀਏਆਈ ਨੇ ਆਧਾਰ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨੂੰ ਹੋਰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਲਈ ਬੱਗ ਬਾਊਂਟੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ

20 ਤਜਰਬੇਕਾਰ ਸੁਰੱਖਿਆ ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਅਤੇ ਏਥੀਕਲ ਹੈਕਰਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਲਈ ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ

ਰੋਜ਼ਾਨਾਂ ਸੰਦੇਸ਼, ਬਿਊਰੋ

ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ, ਯੂਨੀਕ ਆਈਡੈਂਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਅਥਾਰਟੀ ਆਫ ਇੰਡੀਆ (ਯੂਆਈਡੀਏਆਈ) ਨੇ ਆਧਾਰ ਸਿਸਟਮ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨੂੰ ਹੋਰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਲਈ ਆਪਣਾ ਪਹਿਲਾ ਸੰਗਠਿਤ ਬੱਗ ਬਾਊਂਟੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਲਾਂਚ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸਾਈਬਰਸੁਰੱਖਿਆ ਮਾਹਿਰਾਂ ਨੂੰ ਯੂਆਈਡੀਏਆਈ ਦੇ ਕੁਝ ਮੁੱਖ ਡਿਜੀਟਲ ਪਲੈਟਫਾਰਮਾਂ ਵਿੱਚ ਸੰਭਾਵਿਤ ਕਮਜ਼ੋਰੀਆਂ ਦੀ ਖੋਜ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਉਹ ਅਸਲ ਸੁਰੱਖਿਆ ਖਾਮੀਆਂ ਲੱਭਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਨਾਲ ਰਿਪੋਰਟ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਮੱਸਿਆ ਦੀ ਗੰਭੀਰਤਾ ਅਨੁਸਾਰ ਇਨਾਮ ਮਿਲੇਗਾ। 20 ਤਜਰਬੇਕਾਰ ਸੁਰੱਖਿਆ ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਅਤੇ ਏਥੀਕਲ ਹੈਕਰਾਂ ਦਾ ਇੱਕ ਪੈਨਲ ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਲਈ ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਹ ਯੂਆਈਡੀਏਆਈ ਦੇ ਡਿਜੀਟਲ ਐਸੈੱਟਸ ਜਿਵੇਂ ਯੂਆਈਡੀਏਆਈ ਅਧਿਕਾਰਤ ਵੈੱਬਸਾਈਟ, ਮਾਈਆਧਾਰ ਪੋਰਟਲ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਕਿਊਆਰ ਕੋਡ ਐਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਨਗੇ। ਖੋਜਕਰਤਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਿਸਟਮਾਂ ਵਿੱਚ ਕ੍ਰਿਟੀਕਲ, ਹਾਈ, ਮੀਡੀਅਮ ਅਤੇ ਘੱਟ ਜੋਖ਼ਮ ਵਾਲੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਮਜ਼ੋਰੀਆਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਨਗੇ। ਖੋਜੀ ਗਈ ਸਮੱਸਿਆ ਦੀ ਗੰਭੀਰਤਾ ਅਨੁਸਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਚਿਤ ਇਨਾਮ ਮਿਲੇਗਾ। ਯੂਆਈਡੀਏਆਈ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੂੰ ਸਾਈਬਰਸੁਰੱਖਿਆ ਸਾਲਿਊਸ਼ਨ ਪ੍ਰਦਾਤਾ ਐਮ/ ਐੱਸ ਕੋਮੋਲਹੋ ਆਈਟੀ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਲਿਮਟੇਡ ਨਾਲ ਸਾਂਝੇਦਾਰੀ ਵਿੱਚ ਚਲਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਯੂਆਈਡੀਏਆਈ ਦਾ ਮੰਨਣਾ ਹੈ ਕਿ ਅੱਜ ਦੇ ਡਿਜੀਟਲ ਸੰਸਾਰ ਵਿੱਚ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਬਹੁਤ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ, ਅਤੇ ਯੂਆਈਡੀਏਆਈ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਹਿੱਤ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਰੱਖ ਕੇ ਆਪਣੇ ਡਿਜੀਟਲ ਅਸੈੱਟਸ ਨੂੰ ਸੁਧਾਰਨ ਵਿੱਚ ਲਗਾਤਾਰ ਜੁਟਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਅਥਾਰਟੀ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਈ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪਰਤਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਨਿਯਮਤ ਸੁਰੱਖਿਆ ਆਡਿਟ, ਵਲਨਰੇਬਿਲਟੀ ਅਸੈਸਮੈਂਟ, ਪੈਨੇਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਟੈਸਟਿੰਗ ਅਤੇ ਨਿਰੰਤਰ ਮਾਨੀਟਰਿੰਗ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ। ਨਵਾਂ ਬੱਗ ਬਾਊਂਟੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸੁਤੰਤਰ ਮਾਹਿਰਾਂ ਨੂੰ ਸੱਦਾ ਦੇ ਕੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਲੁਕੇ ਜੋਖਮਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰਕੇ ਇੱਕ ਹੋਰ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪਰਤ ਜੋੜਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਨਵੀਂ ਮੁਹਿੰਮ ਯੂਆਈਡੀਏਆਈ ਦੀ ਉਸ ਲਗਾਤਾਰ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਦਾ ਇੱਕ ਹੋਰ ਉਦਾਹਰਣ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਲੈਟਫਾਰਮਾਂ ਨੂੰ ਨਿਵਾਸੀਆਂ ਅਤੇ ਹਿੱਤਧਾਰਕਾਂ ਲਈ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਰੱਖਣ ਲਈ ਹੋਰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਅਜਿਹੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੁਨੀਆ ਭਰ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ ਪਲੈਟਫਾਰਮਾਂ ਵੱਲੋਂ ਡਿਜੀਟਲ ਸਿਸਟਮਾਂ ਨੂੰ ਵਧੇਰੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਅਤੇ ਭਵਿੱਖ ਲਈ ਤਿਆਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਵਿਆਪਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਵਰਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

abp અસ્મિતા

UIDAI એ ભર્યું મોટું પગલું, આધાર કાર્ડ થશે વધુ સુરક્ષિત, શરૂ કર્યો ખાસ કાર્યક્રમ

આધાર કાર્ડ એક આવશ્યક ઓળખ દસ્તાવેજ બની ગયું છે. પરિણામે, તેની સુરક્ષા પણ એટલી જ મહત્વપૂર્ણ છે. UIDAI એ આધાર કાર્ડ સુરક્ષાને વધુ મજબૂત બનાવવા માટે એક નવો કાર્યક્રમ શરૂ કર્યો છે.

આધાર કાર્ડ એક આવશ્યક ઓળખ દસ્તાવેજ બની ગયું છે. પરિણામે, તેની સુરક્ષા પણ એટલી જ મહત્વપૂર્ણ છે. UIDAI એ આધાર કાર્ડ સુરક્ષાને વધુ મજબૂત બનાવવા માટે એક નવો કાર્યક્રમ શરૂ કર્યો છે. આ કાર્યક્રમ આધાર કાર્ડની સુરક્ષા વ્યવસ્થાને વધુ મજબૂત બનાવશે. UIDAI નો આ બિગ બાઉન્ટી પ્રોગ્રામ આધાર કાર્ડની સાયબર સુરક્ષા સુધારવા માટે શરૂ કરવામાં આવ્યો છે, જેમાં અનુભવી સાયબર સુરક્ષા નિષ્ણાતો અને એથિકલ હેકર્સનો સમાવેશ થાય છે.

The list is not exhaustive.

12/03/2026

AADHAAR
मेरा आधार, मेरी पहचान

Media Coverage-4

UIDAI Launches Bug Bounty Programme to Further Strengthen Aadhaar Security

DD न्यूज़

UIDAI Launches Bug Bounty Programme To Strengthen Aadhaar Cybersecurity

The Unique Identification Authority of India (UIDAI) has launched its first structured Bug Bounty Programme to enhance the security of the Aadhaar ecosystem by inviting cybersecurity experts to identify potential vulnerabilities in its digital platforms.

Under the initiative, a panel of 20 experienced security researchers and ethical hackers has been selected to examine key UIDAI digital assets, including the official UIDAI website, the myAadhaar portal and the Secure QR Code application.

आकाशवाणी समाचार Akashvani

UIDAI Launches First Structured Bug Bounty Programme To Strengthen Aadhaar System Security

Unique Identification Authority of India
Government of India

AADHAAR

The Unique Identification Authority of India (UIDAI) launched its first structured Bug Bounty Programme to further strengthen the security of the Aadhaar system. The Programme adds another layer of protection by inviting independent experts to help identify any hidden risks. The Ministry of Electronics and Information Technology said that the programme allows cyber security experts to look for possible weaknesses in some of UIDAI's key digital platforms.

The new initiative reaffirms UIDAI's continuous efforts to further strengthen and ensure that its platforms remain secure for residents and stakeholders. The Ministry informed that a panel of 20 experienced security researchers and ethical hackers has been selected to take part in the initiative. It added they will examine UIDAI digital assets such as UIDAI official website, myAadhaar portal and the Secure QR Code application.

Z NEWS

UIDAI launches bug bounty programme to strengthen Aadhaar security

A panel of 20 experienced security researchers and ethical hackers has been selected to look for possible weaknesses in some of UIDAI's key digital platforms, an official statement said.

| Last Updated: Mar 12, 2026, 08:21 AM IST | Source: IANS

New Delhi: The Unique Identification Authority of India on Wednesday launched structured Bug Bounty Programme to further strengthen the security of the Aadhaar system, inviting independent cybersecurity experts to identify vulnerabilities in digital platforms.

A panel of 20 experienced security researchers and ethical hackers has been selected to look for possible weaknesses in some of UIDAI's key digital platforms, an official statement said.

The Statesman

UIDAI launches bug bounty programme to further strengthen Aadhaar security

The Unique Identification Authority of India (UIDAI) has launched its first structured Bug Bounty Programme to further strengthen the security of the Aadhaar system.

The programme allows cybersecurity experts to look for possible weaknesses in some of UIDAI's key digital platforms. If they find genuine security gaps and report them responsibly, they will receive rewards based on the seriousness of the issue.

BIOMETRIC UPDATE.COM

UIDAI launches program to identify, block vulnerabilities in Aadhaar biometric database

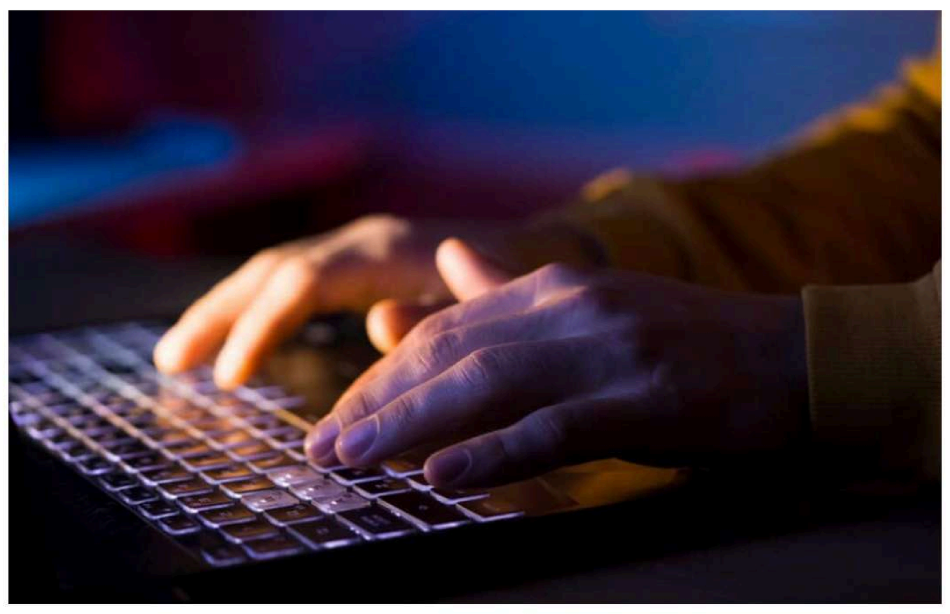

A bug bounty program whose objective is to enhance security around the Central Identities Data Repository (CIDR) – the database holding biometric information of over 1.3 billion Aadhaar card holders – has been launched by the Unique Identification Authority of India (UIDAI).

In cyber security, a bug bounty program is a process by which individuals, usually ethical hackers, are compensated to identify bugs and vulnerabilities in order to avoid widespread data security breaches.

ETV BHARAT

UIDAI Launches Bug Bounty Programme To Strengthen Aadhaar Security

New Delhi: The Unique Identification Authority of India on Wednesday launched a structured Bug Bounty Programme to further strengthen the security of the Aadhaar system, inviting independent cybersecurity experts to identify vulnerabilities in digital platforms. A panel of 20 experienced security researchers and ethical hackers has been selected to look for possible weaknesses in some of UIDAI's key digital platforms, an official statement said.

(The list is not exhaustive. Only headline & small part is used for visual clarity)
12/03/2026

मेरा आधार, मेरी पहचान

Media Coverage-5

UIDAI Launches Bug Bounty Programme to Further Strengthen Aadhaar Security

moneycontrol

UIDAI launches Aadhaar Bug Bounty Programme with security rewards: How to participate, eligibility, and all other details

The Unique Identification Authority of India (UIDAI) has announced the launch of its first structured Aadhaar Bug Bounty Programme aimed at strengthening the security of Aadhaar-related digital platforms. The initiative invites cybersecurity experts and ethical hackers to identify vulnerabilities in key UIDAI systems and report them responsibly.

According to the official announcement, the programme is designed to enhance security by leveraging the expertise of independent researchers who can help detect weaknesses that may not surface during routine security audits.

SC Media A CRA Resource

UIDAI launches bug bounty program to secure Aadhaar ecosystem

As reported by The Cyber Express, the Unique Identification Authority of India (UIDAI) has launched a structured bug bounty program to enhance the cybersecurity of its Aadhaar ecosystem.

The UIDAI bug bounty initiative involves a panel of 20 selected security researchers who will assess critical digital platforms, including the official website, myAadhaar portal, and the Secure QR Code application. Participants are tasked with discovering potential security weaknesses and reporting them through official channels using responsible disclosure practices. Vulnerabilities will be classified into four tiers: Critical, High, Medium, and Low, with rewards offered based on severity and impact. UIDAI is collaborating with cybersecurity firm ComOlho IT Private Limited to manage the program, streamline communication, and oversee the vulnerability submission process.

GKTODAY GK, Current Affairs & General Studies

UIDAI Launches Bug Bounty Programme to Strengthen Aadhaar Security

The Unique Identification Authority of India (UIDAI) has introduced its first structured Bug Bounty Programme to enhance the security of the Aadhaar ecosystem. The initiative invites cybersecurity experts to identify vulnerabilities in key UIDAI digital platforms and report them responsibly. In return, participants will receive rewards based on the severity of the security issues discovered. The programme aims to strengthen the protection of Aadhaar-related digital infrastructure in an increasingly complex cyber environment.

Purpose of the Bug Bounty Initiative

Bug bounty programmes are widely used across the technology industry to improve digital security. Under this initiative, selected cybersecurity researchers and ethical hackers will examine UIDAI's digital systems to detect possible vulnerabilities. By encouraging independent experts to test the platforms, UIDAI aims to identify hidden risks and address them before they can be exploited.

NewsBytes

UIDAI launches 1st bug bounty program to secure Aadhaar data

Mar 15, 2026

UIDAI has invited 20 top security researchers

UIDAI just kicked off its first structured Bug Bounty Programme in March 2026, inviting 20 top security researchers and ethical hackers to hunt for weaknesses in the Aadhaar ecosystem.
Their mission: spot and report bugs in major platforms like the UIDAI website, myAadhaar portal, and Secure QR Code app, helping protect Aadhaar's large-scale identity data.

Adda247

UIDAI Launches Bug Bounty Program to Strengthen Digital Protection For Aadhar

UIDAI launches its first Bug Bounty Program to strengthen Aadhaar security. Twenty ethical hackers and cybersecurity researchers will identify vulnerabilities in UIDAI website, myAadhaar portal and Secure QR Code system, with rewards based on risk severity.

The Unique Identification Authority of India (UIDAI) has launched its first of structured Bug Bounty Program. This program launch to further strengthen the security of the Aadhaar digital ecosystem. This initiative aims to identify potential vulnerabilities in key UIDAI digital platforms through the expertise of cybersecurity professionals. Under this program selected ethical hackers and security researchers will examine UIDAI systems for possible weaknesses.

NEWSPRESS

UIDAI starts bug bounty program to strengthen Aadhaar security

To further strengthen the digital security of the Aadhaar system, the Unique Identification Authority of India (UIDAI) has launched a new bug bounty program. Under this, cyber security experts and ethical hackers have been invited to identify possible vulnerabilities in digital platforms.

According to the Ministry of Electronics and Information Technology, a panel of 20 experienced security researchers and ethical hackers has been selected under this initiative. These experts will conduct security checks of the major digital platforms of UIDAI.

(The list is not exhaustive. Only headline & small part is used for visual clarity)
12/03/2026

Media Coverage-6

UIDAI Launches Bug Bounty Programme to Further Strengthen Aadhaar Security

Indian Masterminds

UIDAI Launches Bug Bounty Programme to Strengthen Aadhaar Security and Protect Citizen Data

New Delhi: The Unique Identification Authority of India (UIDAI) has launched its first structured Bug Bounty Programme to further enhance the security of the Aadhaar system, the cornerstone of India's digital identity ecosystem. This initiative invites cybersecurity experts to identify vulnerabilities in UIDAI's key digital platforms, reinforcing the authority's commitment to protecting citizen data.

अमर उजाला

Aadhaar Security: आधार की सुरक्षा होगी और मजबूत, खामियां खोजने के लिए 20 एथिकल हैकरों का पैनल तैयार

यूआईडीएआई ने इसके लिए एक संरचित बग बाउंटी कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत साइबर सुरक्षा शोधकर्ता आधार से जुड़े कुछ प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म की जांच करेंगे। यदि वे किसी सुरक्षा खामी की पहचान करते हैं और उसकी जानकारी जिम्मेदारी के साथ प्राधिकरण को देते हैं तो उन्हें इनाम दिया जाएगा। यह इनाम उस खामी की गंभीरता के आधार पर तय किया जाएगा।

Radiance MEDIA GROUP

UIDAI Launches Bug Bounty Programme To Strengthen Aadhaar Cybersecurity

The Unique Identification Authority of India has launched its first structured Bug Bounty Programme aimed at further strengthening the cybersecurity architecture of the Aadhaar ecosystem. The initiative seeks to engage independent cybersecurity researchers and ethical hackers to identify potential vulnerabilities in key Aadhaar related digital platforms.

According to the announcement, the programme forms part of UIDAI's broader efforts to continuously improve the security framework of its digital infrastructure and ensure the protection of Aadhaar related services used by residents across the country.

THE POLICY EDGE

Policy Bites 11 March 2026

UIDAI: Bug Bounty Programme to Strengthen Aadhaar Security

SDG 16: Peace, Justice and Strong Institutions | SDG 9: Industry, Innovation and Infrastructure

Unique Identification Authority of India UIDAI | Ministry of Electronics and Information Technology MeitY

The Unique Identification Authority of India (UIDAI) officially launched its "Bug Bounty Programme," inviting the cybersecurity community to identify and report potential vulnerabilities in the Aadhaar system. This initiative is designed to add an extra layer of high-fidelity security to the world's largest digital identity platform by leveraging the collective intelligence of "white-hat" hackers and independent security researchers. The programme acts as a primary mechanic for proactive risk mitigation, ensuring that any technical loopholes are identified and remediated before they can be exploited by malicious actors. By incentivizing ethical disclosure, the UIDAI serves as a facilitator for building a more resilient and transparent digital infrastructure, which is a functional prerequisite for maintaining public trust in the national digital ID ecosystem.

(The list is not exhaustive. Only headline & small part is used for visual clarity)
12/03/2026